GE TH-2 GENERIC ELECTIVE SUBJECT THEORY PAPER-II			
PART A: INTRODUCTION			
Program: Diploma	**Class: B.Com.**	**Year: Second**	**Session: 2022-23**
Subject: Rural Banking			
1	Course Code	**A2-RBAN2G**	
2	Course Title	**Rural Banking in India**	
3	Course Type: Core Course/ Elective/ Generic Elective / Vocational/ ....)	**Generic Elective**	
4	Pre-requisite (if any)	No pre-requisite	
5	Course Learning outcomes (CLO)	CLO1. Students will gain a strong understanding about the Rural Banking system in India. CLO2.Students will understand about various rural banking institutions and their basic functions and their role in rural development. CLO3. Students will gain a deeper insight about issues and challenges about rural banking in India.	
6	Credit Value	**4 (Theory)**	
7	Total Marks	Max Marks: 30+70= 100	Min Passing Marks: 33

PART B-CONTENT OF THE COURSE

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L+T+P: 60

Unit	Topics	No. of Lectures
Unit-I	**Rural India:** Rural India: Demographic and economic features; Rural poverty: Main causes and consequences; Rural economy and infrastructure; Government policies and programmes for rural development; Rural migration and unemployment. **Keywords** – Rural India, Rural migration, rural poverty rural infrastructure.	**12**
Unit-I1	**Rural Credit and Microfinance:** Rural Credit: Concept, need, objectives, features, sources, significance and role in rural development; Types of Rural Credit: Agriculture credit, non-agriculture credit; MSME credit, credit for allied activities; Microfinance: concept, importance and role in poverty reduction and women empowerment. evaluation of performance of microfinance in rural India. **Keywords** – Rural Credit, Micro finance, non-agriculture credit, SMSE, Women Empowerment.	**12**

17/4/22

Prof. Kamaiya Ahuja

Unit-III	**Rural Banking & Priority Sector Financing:** Need and role of banking in rural development, role of RBI & NABARD in rural banking. Priority lending initiatives in rural India- Agriculture & Allied Sector, Infrastructure, MSMEs, Micro Credit, Government initiatives: Rural housing schemes under priority sector, educational loans, etc. **Keywords** – Priority Landing, NABARD, Education loan, Rural Housing.	12
Unit-IV	**Rural Banking Institutions:** Rural Banking institutions: Features, Objectives, structure, Functions, of Commercial banks, Co-operative Banks, Primary Agriculture Credit Societies (PACS), Regional Rural Banks, Land Development Banks, Micro Finance institutions & SHGs, Private Banks, Indigenous Bankers, Prospects of Rural Banking Institutions in India. **Keywords** –Cooperative Banks, self-help groups, Indigenous Bankers, PACS.	12
Unit-V	**Issues and Challenges of Rural Banking:** Problems of rural branches of commercial banks; social responsibility aspect of public sector banks; Contribution of private sector banks in rural sector, role of indigenous bankers; ; technology adoption in Rural banking; causes of NPAs in Rural banking; implementation of government plans and policies; financial literacy and financial inclusion in rural India; Challenges and remedies of rural banking in India. **Keywords** – Public Sector Bank, Social Responsibility, Technology Adoption, NPA.	12

PART C - LEARNING RESOURCES
Textbooks, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Indian Institute of Banking and Finance(IIBF),Rural Banking (CAIIB 2018),Macmillan Publishers India Private Limited,2018
2. Chakrabarti,Manas, Rural Banking in India , New Century Publications, 2011
3. Chawla, O.P., Evolution of Banking System in India since1900,SAGE Publications India Pvt. Ltd.,July 2019
4. Khan, M.Y., Indian Financial System, McGraw Hill, Eleventh edition,2019
5. Indian Institute of Banking, Rural Banking Operations- TAXMANN 2017
6. Chellani Dilip K., Rural Banking System, Bhartiya Kala Prakashan
7. V.K. Puri and S.K. Mishra, Indian Economy, Himalaya Publishing House, 2021
8. Ramesh Singh, Indian Economy McGraw hills, 2021-22
9. वी.के. पुरी. एवं एस.के. मिश्रा, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 2021
10. इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनेन्स(IIBF), बैंकिंग सिद्धान्त एवं व्यवहार, टैक्समैन(TAXMANN) पब्लिकेशन प्रायवेट लिमिटेड, जनवरी 2015
11. गुप्ता-शर्मा–वशिष्ठ, भारतीय बैंकिंग एवं वित्तीय व्यवस्था,आर.वी.डी.पब्लिकेशन, जयपुर (राजस्थान)

17/12/22

Prof. Kanhaiya Jha

Suggestive digital platforms web links:

1. https://www.rbi.org.in/
2. https://www.nabard.org/
3. http://nirb.org.in/

Part D - Assessment and Evaluation (Theory)		
Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : **30** University Exam (UE) : **70**		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test	15
	Assignment / Presentation	15
	Total	**30**
External Assessment: University Exam	Section (A) : Objective Questions	
	Section (B) : Short Questions :	
	Section (C): Long Questions	
	Total	**70**

17/2/22

Prof. Kanhaiya Ahuja

GE TH-2

जेनरिक इलेक्टिव (सामान्य ऐच्छिक) प्रश्नपत्र - 2

भाग ए – परिचय				
कार्यक्रमः डिप्लोमा		कक्षा: बी. कॉम	वर्ष: द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23
विषय: ग्रामीण बैंकिंग (Rural Banking)				
1	पाठ्यक्रम कोड	**A2-RBAN2G**		
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	भारत में ग्रामीण बैंकिंग		
3	कोर्स टाईप (कोर कोर्स/इलेक्टिव/ जेनेरिक/वोकेशनल/.....)	जेनरिक इलेक्टिव (सामान्य ऐच्छिक)		
4	पूर्व-अपेक्षित (यदि कोई हो)	कोई नहीं		
5	कोर्स अधिगम उपलब्धि (लर्निंगआउटकम)(CLO)	CLO1. विद्यार्थियों में ग्रामीण बैंकिंग संरचना के बारे में समझ हासिल होगी। CLO2. विद्यार्थी ग्रामीण बैंकिंग संस्थानों के बुनियादी कार्यों एवं आर्थिक विकास में उनकी भूमिका के बारे में समझ सकेंगे। CLO3. विद्यार्थी भारत में ग्रामीण बैंकिंग से सम्बंधित मुद्दे एवं चुनौतियों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करेंगे।		
6	क्रेडिट मान	4		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक:30+70=100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग बी - कोर्स की सामग्री

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 2 घंटे प्रति सप्ताह

L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	ग्रामीण भारत : ग्रामीण भारत की विशेषताऐं: जनांकिकी एवं आर्थिक विशेषताऐं, ग्रामीण निर्धनता: मुख्य कारण एवं परिणाम, ग्रामीण अधोसरंचना एवं अर्थव्यवस्था, ग्रामीण विकास के लिये सरकारी प्रयास एवं नीतियां ग्रामीण प्रवास एवं बेरोजगारी शब्दकुंजी- ग्रामीण भारत, ग्रामीण निर्धनता, ग्रामीण प्रवास, ग्रामीण सरंचना	12

17/4/22

Prof. Kanhaiya Ahuja

द्वितीय	**ग्रामीण साख एवं सूक्ष्म वित्त:** ग्रामीण साख: अवधारणा, आवश्यकता, उद्देष्य, विशेषताऐं, स्त्रोत, महत्व एवं ग्रामीण विकास में भूमिका, ग्रामीण साख के प्रकार: कृषि साख, गैर-कृषि साख, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग साख (एम.एस.एम.ई.), सह-क्रियाओं के लिये ऋण, सूक्ष्म वित: अवधारणा, महत्व एवं निर्धनता उन्मूलन तथा महिला सशक्तिकरण में भूमिका ग्रामीण भारत में सूक्ष्म वित्त निष्पादन का मूल्यांकन **शब्दकुंजी** - ग्रामीण साख, सूक्ष्म वित्त, गैर-कृषि साख, एम.एस.एम.ई., महिला सशक्तिकरण	12
तृतीय	**ग्रामीण बैंकिंग एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण:** ग्रामीण विकास में बैंकिंग की आवश्यकता एवं भूमिका, ग्रामीण बैंकिंग में भारतीय रिजर्व बैंक एवं राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की भूमिका, ग्रामीण भारत में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण की पहल- कृषि एवं सह-क्षेत्र, अधोसरंचना, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उपक्रम ऋण, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण आवास योजना एवं शिक्षा ऋण आदि के लिए सरकारी प्रयास **शब्दकुंजी - प्राथमिक क्षेत्र ऋण, नाबार्ड, शिक्षा ऋण, ग्रामीण आवास**	12
चतुर्थ	**ग्रामीण बैंकिंग संस्थायें:** ग्रामीण बैंकिंग संस्थायें, वाणिज्यिक बैंक, सहकारी बैंक, प्राथमिक कृषि साख समिति, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (भूमि विकास बैंक), सूक्ष्म साख संस्थान एवं स्व-सहायता समूह, देशी बैंकर्स की विशेषताऐं उद्देश्य, संरचना और कार्य, ग्रामीण विकास में बैंकिंग संस्थाओं की सम्भावनायें। **शब्दकुंजी** - सहकारी बैंक स्व-सहायता समूह, देशी बैंकर्स, पी.ए.सी.एस.	12
पंचम	**ग्रामीण बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियां और मुद्दे :** वाणिज्यिक बैंकों की ग्रामीण शाखाओं की समस्यायें, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) पक्ष निजी बैंकों का ग्रामीण क्षेत्रों में योगदान, देशी बैंकरों की भूमिका, ग्रामीण बैंकिंग में तकनीकी स्वीकार्यता, ग्रामीण बैंकों में गैर निष्पादित संपत्तियों (एन.पी.ए.) के कारण, शासकीय कार्यक्रमों व नीतियों का क्रियान्वयन, ग्रामीण भारत में वित्तीय साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन, भारत में ग्रामीण बैंकिंग की चुनौतियां एवं समाधान **शब्दकुंजी** - सार्वजनिक क्षेत्र बैंक, सामाजिक दायित्व, तकनीकी स्वीकार्यता, एन.पी.ए.	12

17/4/22

Prof. Kanhaiya Singh

भाग सी - अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें एवं अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. Indian Institute of Banking and Finance(IIBF),Rural Banking (CAIIB 2018),Macmillan Publishers India Private Limited,2018
2. Chakrabarti,Manas, Rural Banking in India , New Century Publications, 2011
3. Chawla, O.P., Evolution of Banking System in India since1900,SAGE Publications India Pvt. Ltd.,July 2019
4. Khan, M.Y., Indian Financial System, McGraw Hill, Eleventh edition,2019
5. Indian Institute of Banking, Rural Banking Operations- TAXMANN 2017
6. Chellani Dilip K., Rural Banking System, Bhartiya Kala Prakashan
7. V.K. Puri and S.K. Mishra, Indian Economy, Himalaya Publishing House, 2021
8. Ramesh Singh, Indian Economy McGraw hills, 2021-22
9. वी.के. पुरी. एवं एस.के. मिश्रा, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 2021
10. इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनेन्स(IIBF), बैंकिंग सिद्धान्त एवं व्यवहार, टैक्समैन(TAXMANN)पब्लिकेशन प्रायवेट लिमिटेड, जनवरी 2015
11. गुप्ता-शर्मा–वशिष्ठ, भारतीय बैंकिंग एवं वित्तीय व्यवस्था,आर.वी.डी.पब्लिकेशन, जयपुर (राजस्थान)

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक:

1. https://www.rbi.org.in/
2. https://www.nabard.org/
3. http://nirb.org.in/

भाग डी - अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधिया:

अधिकतम अंक: 100, सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 30, विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिकमूल्याकंन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 **कुल अंक: 30**
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरी प्रश्न	5 **कुल अंक = 70**

17/2/22

Prof. Kanhaiya Singh